हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 6 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

वर्षों से फरार आरोपियों को निवास पुलिस ने किया गिरफ्तार

निवास। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपराधिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है साथ ही न्यायालय द्वारा जारी स्थाई / गिरफ्तारी वारंटो की तामीली आवश्यक रूप से करने के लिए एवं लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिये लगातार अभियान चलाकर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी निवास निरीक्षक वर्षा पटेल के द्वारा टीम गठित कर फरार वारंटियो के गिरफ्तार हेतु अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत माननीय न्यायालय मंडला के प्रकरण क्र.32/22 एवं 39/22 धारा 135 विद्युत अधिनियम मे फरार स्थाई वारंटी रूप सिंह मरावी पिता डुमरी मरावी निवासी बाहुर एवं नारायण पांडे पिता वृंदावन पांडे निवासी कोहका का 02साल से फरार चल रहे थे जिसे आज गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया गया है स्थाई वारंटी गिरफ्तार करने में थाना निवास के सहायक उप निरीक्षक अरुण आर्मो, आरक्षक 280 सेमसिंह, आरक्षक 445 रवि मरावी की मुख्य भूमिका रही हैं।

लापरवाही बरतने पर भृत्य धनेश्वर यादव निलंबित

मण्डला। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास टाटरी विकासखंड नैनपुर में पदस्थ भृत्य श्री धनेश्वर यादव को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भृत्य श्री यादव को शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी मवई रहेगा।

जनसुनवाई में मिला तत्काल लाभ

मण्डला। जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन के संज्ञान में आने वाली समस्या का यथासंभव शीघ्र एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे ठोंड़ा बिछिया निवासी गौरी शंकर पटेल ने श्रवण यंत्र प्राप्त करने के संबंध आवेदन दिया। गौरी शंकर ने बताया कि दिव्यांग होने के कारण मुझे सुनने में बहुत परेशानी होती है। मुझे श्रवण यंत्र प्रदान किया जाए। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने सामाजिक न्याय विभाग को आवेदकों की पात्रता का परीक्षण कर मौके पर ही श्रवण यंत्र प्रदान करने के निर्देश दिए।

जिले में कम छात्र संख्या वाले स्कूलों का मर्ज करने की आवश्यकता

3 छात्रों को पढ़ाने 2 शिक्षक पदस्थ

*** दर्जनों शालाओं में यही अव्यवस्था कायम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

विकासखंड निवास में कई ऐसे विद्यालय हैं, जहां बच्चों की दर्ज संख्या 10 से भी कम है। यह स्थिति वर्षों से बनी हुई है और शिक्षा विभाग के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। इन कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों के आसपास, लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर ऐसे विद्यालय संचालित हैं, जहां बच्चों की संख्या पर्याप्त है।

शासन द्वारा इन स्कूलों को चलाने में लगभग 12 से 13 लाख रुपए का सालाना खर्च आता है। अगर इन कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को आसपास के स्कूलों में मर्ज कर दिया जाए, तो न केवल शासन की धनराशि की बचत होगी, बल्कि उन स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी पूरी की जा सकेगी, जहां शिक्षकों की संख्या की समस्या है।

सूत्रों की जानकारी अनुसार वर्तमान में निवास विकास खंड में ऐसे 5 स्कूल हैं, जहां बच्चों की संख्या 10 से भी कम है। जैसेः- प्राथमिक शाला भरद्वारा-2 बच्चे, 1 शिक्षक टिप्पा टोला-2 बच्चे, 1 शिक्षक हरिसिघौरी रैयत-3 बच्चे, 2 शिक्षक पाकर टोला-6 बच्चे, 2 शिक्षक जिल्हेटी-8 बच्चे, 2 शिक्षक, इन स्कूलों में छात्र संख्या इतनी कम है कि इससे न केवल शिक्षकों की कार्य क्षमता प्रभावित होती है, बल्कि बच्चों को भी उचित शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

शिक्षा विभाग का यह कर्तव्य है कि वह सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करे। लेकिन जब स्कूलों में छात्र संख्या इतनी कम है, तो इसका असर शिक्षकों की कार्यप्रणाली और बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। ऐसे में, कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों को अन्य स्कूलों में मर्ज करने का निर्णय एक प्रभावी कदम हो सकता है।

इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाने से जिले में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शासन का पैसा फिजूल में कर्मचारियों की पगार देने में खर्च हो रहा है, जबकि बच्चों को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की भूमिका

इस मुद्दे पर जिले के जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों को एकजुट होकर निर्णय लेना आवश्यक है। अगर वे इस समस्या को गंभीरता से लेते हैं और उचित कदम उठाते हैं, तो यह न केवल शासन के लिए हितकारी होगा, बल्कि बच्चों के भविष्य के लिए भी एक सकारात्मक पहल होगी।

यदि आसपास के स्कूलों में मर्ज किया जाता है, तो इससे न केवल शासन की धनराशि की बचत होगी, बल्कि अन्य स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी दूर होगी। यह कदम शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर प्रदान कर सकता है।

कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों का मर्ज आसपास के विद्यालयों में एक व्यावहारिक और लाभकारी समाधान है। इसे लागू करने से न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि शिक्षकों की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इस दिशा में उठाए गए कदमों से शिक्षा प्रणाली को पुनर्स्थापित किया जा सकता है, जिससे सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

इनका कहना है -

कम दर्ज वाले स्कूल एवं अतिशेष शिक्षकों की जानकारी वरिष्ठ कार्यालय को भेजी जा चुकी है जैसे निर्देश वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त होंगे वैसे कार्यवाही की जावेगी।

-राजेश विश्वकर्मा,
बीईओ, निवास

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने माहिष्मति घाट (रपटाघाट) का निरीक्षण किया

*** कलेक्टर ने माहिष्मति घाट में नामकरण का बोर्ड लगाने के निर्देश दिए।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंगलवार को माहिष्मति घाट (रपटाघाट) का निरीक्षण किया। उन्होंने माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में स्थल चिन्हित कर पंचचौकी महाआरती आयोजित करने के लिए मंच बनाने के निर्देश दिए। एकादशी से माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में माँ नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती प्रारंभ की जाएगी। पंचचौकी महाआरती में जिले के सभी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, श्रद्धालु और मंदिर समितियों के प्रमुख शामिल होंगे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में श्रद्धालुओं और नागरिकों को नर्मदा नदी में साबुन से नहीं नहाने और कपड़े नहीं धोने के निर्देश दिए। जिससे नर्मदा नदी का जल साफ व स्वच्छ प्रवाहित होता रहे। उन्होंने इसके लिए माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में पुलिस और नगरपालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। अब नर्मदा नदी के माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में प्लास्टिक, साबुन और गंदे कपड़े धोने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में मादक पदार्थों का सेवन करने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध थाना कोतवाली प्रभारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। माहिष्मति घाट (रपटाघाट) से भिखारियों को हटाने की कार्यवाही की जाएगी। माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में रोजाना साफ-सफाई और प्रकाश का प्रबंध होगा। अस्त-व्यस्त फैली हुई विद्युत तारों को व्यवस्थित ढंग से स्थापित की जाएगी। अपूर्ण व अधूरी दीवारों को पूर्ण कर पुताई होगी। उन्होंने नर्मदा नदी के तट पर स्थित घास और काई को साफ करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार से माहिष्मति घाट (रपटाघाट) में नामकरण का बोर्ड लगाया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

सरपंच पति एवं सचिव से परेशान पंचों की लिखित शिकायत

*** जांच की मांग- महिला आरक्षण का लाभ ले रहा सरपंच पति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से मध्यप्रदेश सरकार ने पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि महिला सरपंच के पति का पंचायत में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा. सरपंच पति पंचायतों में बैठकें नहीं ले सकेंगे यदि कोई सरपंच पति सरपंच के अधिकारों का उपयोग करेगा या बैठकों आदि में सरपंच के स्थान पर भाग लेगा तो महिला सरपंच को पद से विधिवत हटाये जाने की कार्यवाही की जा सकती है किंतु सारे नियमों को ताक में रखकर जनपद पंचायत निवास के अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुर बिसौरा की सरपंच संतोषी बाई है लेकिन सरपंच पति धर्मेंद्र के द्वारा पंचायतों के कार्यों में अनाधिकृत हस्तक्षेप करने संबंधी शिकायत ग्राम पंचायत भानपुर बिसौरा के पंचों के द्वारा लिखित आवेदन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत निवास को की है. आवेदन में कहा गया है कि ग्राम पंचायत द्वारा सरपंच महिला है लेकिन सरपंच पति द्वारा ही सारे कार्य करवाए जा रहे, साथ ही मुख्य रूप से ग्राम गढ़बिसौरा सी, सी, रोड निर्माण कार्य एवं नल जल के नाम से लगे समस्त बिलों की जांच करने मांग की है। पूरे इस खेल सचिव की भी मिलीभगत पंचों द्वारा बताई गई है।

इनका कहनाः-

देखिए शिकायत पंचों द्वारा की गई। इसमें हम जॉच करेंगे।

-दीप्ति यादव C.E.O जनपद,
पंचायत निवास

पत्रकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बने मयंक तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की मध्यप्रदेश इकाई की घोषणा राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी व राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सहमति से घोषित की गई है। जिसमें निम्न पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सभी पदाधिकारियों की नियुक्ति 1 दिसंबर से प्रभावशील होगी वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष देवशंकर अवस्थी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है साथ ही हेमराज कन्नौजिया को राष्ट्रीय कार्य समिति में शामिल किया गया है। प्रदेश महासचिव पद पर राजेश दुबे, विलोक पाठक, संदीप मिश्रा डिंडोरी, प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर राजकुमार गुप्ता भोपाल, सुनील साहू जबलपुर, एस पी गोस्वामी जबलपुर, नीतू शाह प्रदेश सचिव पद पर राजीव उपाध्याय जबलपुर,हरप्रीत कौर भोपाल, प्रियंका जैन देशपांडे इंदौर नियुक्त हुए हैं। वहीं अन्य पदों पर प्रदेश अध्यक्ष महासचिवों की सलाह पर जल्द ही नियुक्ति होगी। वहीं प्रदेश स्तर के प्रकोष्ठों में निम्न पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई है। जो कि प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य की हैसियत से बैठकों में भाग लेंगे। परिषद में युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रमोद त्रिवेदी इंदौर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरभि तिवारी, महासचिव सिमरन सिंह शुक्ला, साहित्य प्रकोष्ठ अध्यक्ष रूपम बाजपेयी, शर्मा धर्म व संस्कृति प्रकोष्ठ अध्यक्ष रमेश पाठक महासचिव वीडी सोनी गोटेगांव नरसिंहपुर, पत्रकार गृह निर्माण प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेश कामले पत्रकार परिवार प्रकोष्ठ, अध्यक्ष उत्पल कांत शर्मा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष रमाकांत निगम कटनी, समाज कल्याण प्रकोष्ठ अध्यक्ष शिवकुमार तिवारी, व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अजहर नियुक्त किए गए हैं। साथ राज्य से प्रदेश कार्यसमिति में इक्कीस कार्य समिति सदस्य के साथ ही प्रदेश संगठन महामंत्री, प्रदेश संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता के साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे जिनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष द्वारा की जावेगी। प्रदेश कार्यसमिति में जिला ईकाईयों के अध्यक्ष व महासचिव पदेन सदस्य रहेंगे। सभी पदाधिकारियों की नियुक्ति पर मंडला जिला ईकाई जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल एवं समस्त पदाधिकारी व सदस्यो ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है।

अवैध कारोबार — सीएम राइज स्कूल निर्माण में जारी है अवैध निर्माण सामग्री की सप्लाई।

टिकरिया क्षेत्र में मुर्रम-मिट्टी का हो रहा अवैध खनन

*** मुर्रम की नहीं है कोई भी वैधानिक खदान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

क्षेत्र में अवैध रूप से मुर्रम व मिट्टी का उत्खनन जोरों पर चल रहा है। खनिज विभाग के उदासीन रवैए के कारण बिना अनुमति एवं रायल्टी चुकाए लोग मुरम का उत्खनन कर धड़ल्ले से बेच रहे हैं। शासकीय भवनों में भी अवैध मुर्रम का उपयोग हो रहा है लेकिन अधिकारी भी इससे बेखबर बने हुए हैं। तहसील में कहीं भी मुरम की खदान नहीं है उसके बावजूद लोग पहाड़ों व शासकीय भूमि से भारी मात्रा में मुरम का उत्खनन कर निजी उपयोग और उसका विक्रय कर रहे है। भवनों के फाउंडेशन सहित मार्गों के निर्माण आदि में उपयोग की जा रही है।

ऐसा नहीं है कि इस बात की सूचना खनन विभाग सहित स्थानीय प्रशासन को नहीं है। बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। नतीजतन रात के अंधेरे में दर्जनों ट्रैक्टरों और डंपरों द्वारा अवैध खनन कर सप्लाई की जा रही है। ताजा मामला सीएम राइज स्कूल टिकरिया का है सरकारी निर्माण में डाली जा रही अवैध मुर्रम का है, जहां पर रात में डंपर द्वारा मुर्रम डाली जा रही है। जिससे हजारों रुपए की चपत राजस्व विभाग को लग रही है। इसी रास्ते से होकर रात में स्थानीय प्रशासन का आना-जाना बना रहता है, लेकिन सड़क के किनारे होने के बावजूद भी कोई कार्यवाही करने के लिए आगे नहीं आ रहा है और उत्खनन माफिया इसका फायदा उठाकर रात भर मुर्रम की सप्लाई कर रहे हैं।

टिकरिया से ला रहे मुर्रम

कॉलोनियों के निर्माण में मकान निर्माण में और सरकारी भवनों में होने वाली मुर्रम की खपत को अवैध उत्खनन कर पूरा किया जा रहा है। मुरम का खनन टिकरिया और पटेहरा लाकर डाली जा रही है। रात भर मुरम के डंपर ट्रेक्टर टिकरिया थाने के सामने से गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होती।

नवांकुर संस्था ने आदर्श ग्राम बनाने हेतु लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पड़रिया नारायणगंज के तत्वाधान में ग्राम मैली की सिद्ध नागा टेकरी कुटी में प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सचिव तथा CMCLDP के परामर्शदाताओं के साथ जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने बैठक ली, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की आगामी योजना अनुसार प्रदेश के प्रत्येक तहसील स्तर से लेकर सेक्टर स्तर तक एक एक ग्राम का चयन कर उसे आदर्श ग्राम के रूप में निर्मित करना है।

श्री चौधरी ने बताया कि आदर्श ग्राम भय, विवाद, नशा, गंदगी, रसायन आदि चीजों से मुक्त हो तथा साधन सम्पन्न व खुशहाल हो इसके लिए नवांकुर संस्था तथा प्रस्फुटन ओर जन अभियान परिषद की पूरी टीम को प्रयास करने होंगे।

विकासखण्ड नारायणगंज की सेक्टर क्रमांक 1 की नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पड़रिया नारायणगंज को ग्राम मैली को आदर्श ग्राम में परिवर्तिति करने को कहा गया है।

बैठक संपन्न करने के दौरान पूरी टीम के द्वारा टेकरी में बेल का पौधा रोपित किया गया तथा ग्राम का भ्रमण किया गया।

खबर संक्षेप

धडल्ले से बिक रही विदेशी सिगरेटें

गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से म.प्र. शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में शुद्व के लिये युद्व मुहिम चलाते हुये जहां खाद्य विभाग द्वारा लगातार छापेमार कार्यवाही की जा रही है, वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा शासकीय चिकित्सालय व शासकीय शिक्षण संस्थाओं की 100 मीटर के अंदर आने वाली परधी में तम्बाखू युक्त सामग्री विक्री पर अंकुश लगाने के लिये बीते हुये दिनों कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये देखा गया था? मगर प्रशासन द्वारा की जाने वाली इस कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा जिस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उसे लेकर संपूर्ण शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि शुद्व के लिये युद्व मुहिम पर की जाने वाली कार्यवाही तो ठीक है, मगर नगर सहित क्षेत्र के अनेक दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री भी धडल्ले से बिकते हुये देखी जा रही है जो नियम विरूद्व होने के साथ साथ युवाओं की जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है?

आज भी आदिवासी पुस्तैनी धन्धे से कर रहे हैं अपना जीवन यापन

सिंहपुर छोटा। केन्द्र व प्रदेश की सरकारो द्वारा भले ही आदिवासियों के उत्थान अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें चलाकर उनको लाभान्वित करने की बात कही जा रही है, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी आदिवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ न मिलने पर वे पूर्वजों के समय से चल आ रहे पुस्तैनी धन्धा करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम गोटीटोरिया वनांचल क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां पर आज भी आदिवासी प्रति रविवार गाडरवारा आकर बाबेर, लाठी, झाड़ू, माहौल के पत्ता बेच कर रहे है, इन आदिवासियों को कई किलो मीटर वन क्षेत्र से पैदल चलकर ग्राम गोटीटोरिया से बस में भाड़ा देकर गाडरवारा बेचने आना पड़ता है,जो प्रत्येक रविवार को नगर में आने वाले आदिवासी द्वारा माहौल का पत्ता जिससे दोना पत्तल बना करते थें। मगर अब इन पत्तो से निर्मित होने वाले दोना पत्तलों की जगह कागज ने ले ली गई है जिसके चलते अब इन पत्तलों का उपयोग मात्र पान दुकानों पर होते हुए देखा जा रहा है, जिसके चलते इनकी पुछ परख में कमी देखने मिल रही है। मगार इसके बाद भी बाजार में उनको माहौल पत्ता का मरका जिसमें 80 से लेकर 100 जुन्डी पत्ता की रहती है 150 रूपया तथा कावर जिसमें 200 से 250 माहौल पत्ता की जुन्डी रहती है 200 रूपया से लेकर 250 रूपया विका करता है जिसके चलते इतनी मेहनत के बाद चंद रूपया में बिकने वाले इन पत्तों के भरोसे ही यह लोग अपना जीवन काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है, ये आदिवसी ग्राम कौआआम, बरियाढाना, भिलमाढाना, चारगांव एवं छिंदवाड़ा जिले से लगी वार्डर से तक यहां पर पहुंचते है।

शासन के नियमों को किया जा रहा है नजरअंदाज

गाडरवारा। आबादी के बढ़तो दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है,जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है।

76 करोड़ की सड़क बता रही है विकास की गाथा

वर्षों पुराने जर्जर स्थिति में पहुंच चुके पुल

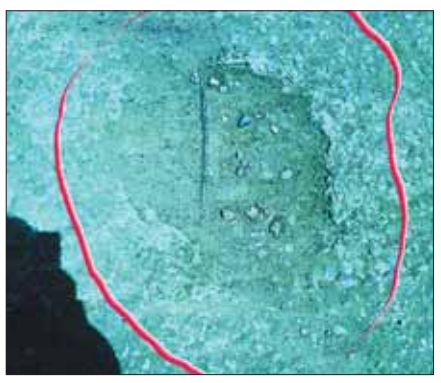

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब किसी क्षेत्र के लिये विकास की सौगात मिलती है तो निश्चित तौर से क्षेत्र में लोगों में खुशी देखने मिलती है। मगर वह सौगात जब गफलत बाजी की भेंट चढ़ने के बाद जिम्मेदारों द्वारा चुप्पी साध ली जाती है तो वह चर्चा का विषय बनने से ही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका तक बनी हुई सीमेन्ट सडक को जिस तरह आज बडे नेताओं द्वारा क्षेत्र के विकास के सौगात में गिनाने से नही चूकते है । मगर जब उसकी गुणवत्ता की सच्चाई लगातार उजागर होने के बाद भी उनकी चुप्पी सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है? बीते हुये चार साल पहले लगभग 76 करोड़ रूपया की लागत से निर्मित हुई समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुए सालीचौका पौड़ार तिरहा तक सीमेन्ट सड़क की सच्चाई निर्माण के शुरूआती तौर से ही चर्चा का विषय बनी हुई देखी जा रही थी? क्योंकि इस सीमेन्ट सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता पर भी अनेक प्रकार के सबाल खड़े होते हुए दिखाई देने के बाद भी जिम्मेदारों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई को नजर अंदाज किया गया था उसका परिणाम है कि यह सड़क चंद दिनों के उपरांत ही अपनी गुणवत्ता को उजागर करने से नही चूक पाई है। बताया जाता है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की सच्चाई तो उस समय देखने मिल चुकी थी जब ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही हो जाने के कारण उसमें काम करने वाले कुछ लोगों को चोटे भी आई हुई थी। इस प्रकार से निर्माण के दौरान धराशाही हुई पुलिया ने जहां सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े कर दिये गये थें। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी के द्वारा ध्यान देना उचित नही समझा गया था? वही दूसरी ओर सड़क निर्माण में उपयोग किये जाने वाली रेत को लेकर भी अनेक प्रकार की चर्चाए शुरूआती तौर से ही सुनाई देने से नही चूक पाई थी, इतना ही नही यदि शासन द्वारा खर्च की गई राशि यानि की 76 करोड़ रूपया की लागत से बनी हुई इस सड़क की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सड़क निर्माण के दौरान सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका के बीच सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य करने के साथ साथ बीच में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कार्य भी इसी में शामिल होने की चर्चा सुनी जा रही है? मगर पता नही इस सीमेन्ट सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा पुल व पुलियों के निर्माण कार्य में कोताही बरती जिसके चलते इस सड़क का भविष्य अपने आप ही उजागर होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि सड़क निर्माण का कार्य के समय पुराने पुल व पुलियों के भरोसे ही पूर्ण किया जाना संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा था, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ग्राम बारहाबड़ा के समीप दूधी नदी पर बने हुये पुल को वर्षो बीत जाने के कारण वह जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस जर्जर स्थिति में पहुंचते हुये पुल का निर्माण करने की जगह कंपनी द्वारा इसी पुल के भरोसे इस सड़क का निर्माण कार्य कर डाला है। बताया जाता है कि बारहाबड़ा के पास 24 जून 2008 को इस पुल का निर्माण हुआ है, जिसके चलते उस समय भी पुल के निर्माण कार्य के उपरांत इस पुल के पास किसी भी प्रकार से एपरोच रोड का निर्माण नही होने से पुल के महत्व पर सबाल खड़े होने से नही चूक पाये थें। वही दूसरी ओर इस पुल के ऊपर से निकल रही लोहे की राडे निश्चित ही पुल के जर्जर होने की सच्चाई को उजागर करते हुये देखी जा रही थी। मगर कंपनी द्वारा उन्ही की लीपापोती करते हुये अपने कार्य को अंजाम देने की सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा जिस तरह चुप्पी साधी जाने के साथ साथ अधिकारियों की भूमिका को भी कटघरे में खड़ा कर दिया गया है? वही क्षेत्र के लोगों का कहना था कि जब इतनी बड़ी राशि से सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य हुआ है तो फिर पुल सहित नई पुलियों का निर्माण क्यों नही किया गया है। क्योंकि इस मार्ग पर पड़ने वाला इस पुल के आलवा अन्य पुलिया जर्जर स्थिति में पहुंच चूकी है जिसके चलते यदि उन्ही पुराने पुल व पुलियों के भरोसे सड़क का निर्माण कार्य किया गया तो इस सड़क के निर्माण का महत्व अपने आप ही समाप्त होने होने से नही बच पाया है तथा इस सड़क के निर्माण कार्य को मात्र चंद वर्ष का समय भी पूरा नही हो पाया है और जहां तहां से टूटते हुये देखी जा रही सड़क की सच्चाई निश्चित ही सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता को उजाकर करने से नही चूक रही है? यदि इस सड़क निर्माण कार्य की निष्ठा के साथ जांच होती है तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता उजागर होकर सामने आने से नही बच पायेगी? इस तरह सड़क के नाम पर खर्च की गई करोड़ो की राशि से हुये निर्माण की सच्चाई इस समय सड़क जहां तहां से टूटते हुये देखी जा रही है और इस क्षेत्र के गांवों में भ्रमण करने वाले सफेद कुर्ताधारी नेता भी उसी सड़क पर निकले गुये गड्ढो से मुलाकात करते हुये गांवों में पहुंचकर क्षेत्रवासियों को यह सड़क अपनी सौगात के रूप में गिनाने से नही चूक रहे है।

जहां तहां अधूरे पड़े शौचालयों के गड्ढे मूक पशुओं की जिन्दगी के लिये बन रहे खतरा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को स्वच्छ व स्वास्थ्य बनाने की सोच के चलते सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छता की मुहिम के चलते जिस प्रकार से लगभग लगभग 6-7 वर्ष पूर्व जिस प्रकार से जिले से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाही वाही लूटने के लिए जिले को बाह्यशौच घोषित मुक्त कराये जाने की जो रामलीला की गई थी, उसको लेकर स्थानीय अखबारों द्वारा लगातार इस बात को उजागर किया जा रहा था कि जब लोगों के घरों में अभी तक शौचालयों का निर्माण हुआ ही नही है तो फिर आखिर में जिला बाह्यशौच मुक्त घोषित कर कैसे दिया? मगर इस बात को लेकर न तो उस समय जिले के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया गया और न ही अधिकारियो द्वारा जिसका परिणाम यह हुआ कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से अपनी वाही वाही लूटने के लिए संपूर्ण जिले को इस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पूर्व प्रदेश के नेताओं से बाह्यशौच मुक्त घोषित कराते हुए सम्मान पाया गया था। वह सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उस समय विपक्ष में बैठी हुई पार्टियों की उदासीनता को भी उजागर करते हुए जान पड़ रहा था? क्योंकि जहां प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया है उनकी गुणवत्ता शौचालयों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की कहानी स्वयं बताते हुए दिखाई दे रहे है जो आज तक पूरे नही हो पाये है और जिले को प्रदेश में सबसे पहले वाहशौच घोषित करने में अपनी वाही वाही लूटने वाले अधिकारी भी यहां से बिदा ले चुके है? वही दूसरी यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पहले फर्जी तरीके से घोषित हुए ओडीएफ जिले की सच्चाई देखी जावे तो शहर से लेकर गांवों में आज भी स्पष्ट दिखाई पड़ रही है जहां पर अनेक लोगों के घरों में आज तक शौचालयों का निर्माण नही होने के कारण वह लोग खुले मैदानों का उपयोग करते हुए देखे जा रहे है और अनेक लोगों के घरों म शौचालयों का निर्माण आज भी अंधूरा पड़ा हुआ है जिसके चलते शौचालयों के निर्माण हेतु खोदे गये गड्ढे मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई पड़ रहे है? इस प्रकार से अंधूर पड़े हुये शौचालय की सच्चाई आये दिन शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिलने से नही चूक रही है जब इन अंधूरे शौचालयों के गड्ढो में मूक पशु गिरने से उनकी जान खतरे में पड़ते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते वर्ष भी उस समय देखने मिल चुकी थी जब क्षेत्र में अनेक जगहों पर इस प्रकार से अधूरे पड़े हुये शौचालयों के गड्ढो में मूक पशु गिरने से उनकी मौत तक हो चुकी है। मगर इस ओर शासन प्रशासन द्वारा शायद ध्यान इसलिय नही दिया जा रहा है क्योंकि शासन के रिकार्ड में शौचालय तो पूर्ण हो चुके है तभी तो जिला ओडीएफ घोषित हुआ होगा?

नगर में चल रही 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन होगा आज, मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व मंत्री रहेंगे मौजूद, खेलों के छोटे कुंभ समाप्त होते ही 16 से होने वाले महाकुंभ की तैयारियों में जुटेंगे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता से निश्चित ही नगर का गौरव बढ़ने से नही चूक पा रहा है। वही दूसरी ओर जिस तरह बीते हुये 3 नवम्बर से शुरू हुये शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन होने के बाद आने वाले 16 नवम्बर से शुरू होने जा रहे राष्ट्रीय स्तर के खेलों के महाकुंभ की तैयारियों में अधिकारियों को जुटा हुआ देखा जाने लगेगा। नगर के पुराने कालेज रूद्र खेल मैदान मे जारी 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन में प्रतिदिन देखा जा रहा है कि मैचों का आनंद लेने दर्शकों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। इसमें खास बात यह है कि नगर के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के छात्र छात्राएँ भी मैच देखने मैदान पर आ रहे है। उल्लेखनीय है कि आज 6 नवंबर तक आयोजित होने वाली 17 वर्षीय बालक/बालिका आयु वर्ग की इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, रीवा, सागर व जबलपुर संभाग के खिलाड़ी और ऑफीशियल्स भाग लें रहे हे। बीते मंगलवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन सुबह एवं देर शाम को तक चले बालक एवं बालिका आयु वर्ग मे विभिन्न संभागों के मध्य अनेक मैच खेले गए जिनमे छात्र छात्राओ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीमों को को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिये लगातार खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुये देखा गया। इस तरह तीसरे दिन तक खेले गए मेचों के पहले पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक, नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, गाडरवारा अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती कलावती ब्यारे सहित समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों गणमान्य नागरिकों के अलवा समाजसेवी मुकेश बसेडिया सहित पत्रकारों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मेचों का आनंद लिया। मंगलवार को संपन्न हुए मेचों मे बालक वर्ग मे ग्वालियर ने नर्मदापुरम टीम को तो सागर ने इंदौर तथा रीवा ने जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल ने शहडोल संभाग व उज्जैन ने इंदौर तो ग्वालियर ने सागर संभाग टीम तथा जबलपुर ने शहडोल व भोपाल ने जनजातीय कार्य विभाग सहित सागर ने नर्मदापुरम, उज्जैन ने ग्वालियर टीमों को टक्कर देते हुये पराजित किया गया। वही बालक वर्ग के पूल A मे रीवा प्रथम तो भोपाल दूसरे स्थान पर रहा। इसी प्रकार से पूल B मे उज्जैन प्रथम एवं ग्वालियर दूसरे स्थान पर रहा। वही बालिका वर्ग के अंतर्गत खेले गए मैचो मे इंदौर ने शहडोल तो रीवा ने नर्मदापुरम, उज्जैन ने ग्वालियर, भोपाल ने जनजातीय कार्य विभाग, रीवा ने सागर, नर्मदापुरम ने शहडोल, जबलपुर ने भोपाल, ग्वालियर ने जनजातीय कार्य विभाग, इंदौर ने नर्मदापुरम, सागर ने शहडोल, उज्जैन ने जनजातीय, जबलपुर ने ग्वालियर को पराजित करते हुये अपना परचम लहराया। जिसके चलते बालिका वर्ग के पूल A मे रीवा प्रथम एवं इंदौर दुसरे तो पूल B मे जबलपुर संभाग प्रथम, उज्जैन दूसरे स्थान पर रहा। इस प्रकार बालक वर्ग का प्रथम सेमीफाइनल रीवा एवं ग्वालियर तथा दूसरा सेमीफाईनल उज्जैन एवं भोपाल संभाग एवं बालिका वर्ग मे प्रथम सेमीफाइनल रीवा व उज्जैन, दूसरा सेमी फाइनल जबलपुर एवं इंदौर के मध्य खेला जायेगा। उल्लेखनीय है कि जिला शिक्षा अधिकारी अनिल ब्योहार ने उपस्थित होकर प्रतियोगिता आयोजन से जुडी व्यवस्थाओ का अवलोकन कर जरुरी दिशा निर्देश दिए। प्रतियोगिता के मेचों मे कामेंट्री शिक्षको राजेश गुप्ता, अर्पणा ब्राउन एवं सुनील सोनी द्वारा की गईं। प्रतियोगिता के आयोजन मे फील्ड आफिसर सुश्री चंदा सोनी, समन्वयक मनीष कटारे, देवेश वैध, अनुज जैन, मुकेश पटैल, विक्रम शर्मा, अनुज जैन सहित अनेक आफिसियल्स एवं कर्मचारियों का सहयोग निरंतर मिल रहा है। इस तरह नगर के पुराने काजेल खेल मैदान पर चल रही राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के आलवा क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह मौजूद रहेगे। वही दूसरी ओर इस नगर में खेलों के इस छोटे कुंभ के आज समापन होने के बाद 16 नवम्बर से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के महाकुंभ की तैयारियों शुरू हो जावेगी। ज्ञात हो कि 16 नम्बर से बालक व बालिका वर्ग 17 वर्ष आयु के राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में देश के सभी प्रांतों की टीमे भाग ले रही है जिसके चलते नगर में खेलों का महाकुंभ देखने मिलेगा।

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्ध तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है, इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर लिये जाते है। परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो सीजन के दौरान जहां खुलेआम घरेलू गैस का दुरूपयोग होते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई देने से नही चूकते है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टैंक में डालने कहां से मिलती है? जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है, जिसके चलते शहर में आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है।

खबर संक्षेप

कार ने बाइक सवारों को टक्कर मारकर किया घायल

डिंडोरी- जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धमनगांव में कार की टक्कर से बाइक सवार चार लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए बयान में जितेंद्र कुमार पिता गंगाराम उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम पड़रिया चाँदपुर ने बताया कि सोमवार को वह मोटरसाइकिल से अपने रिश्ते के भाई मिलन पाटिल व रिश्ते की बहन माही गोयल तथा देववती धुर्वे के साथ ग्राम शाहपुर से वापस डिंडोरी जा रहे थे। मोटरसाइकिल को मिलन पाटिल चला रहा था। मिलन पाटिल के पीछे मैं बैठा था। मेरे पीछे माही गोयल एवं सबसे पीछे देववती धुर्वे बैठी थी। ग्राम धमनगांव में इमली घाट के पहले मोड पर पहुंचने पर डिंडोरी की ओर से आ रहे कार क्रमांक एमपी 20 टीए 1172 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर हमारी मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगते ही मोटरसाइकिल सहित हम चारों गिर गए। रास्ते से आने जाने वाले लोगों ने हमें उठाया और 108 वाहन को फोन कर मौके पर बुलाया। 108 वाहन से सभी घायलो को सरकारी अस्पताल डिंडोरी लाकर भर्ती कराया गया

फांसी पर लटका मिला युवक का शव

डिण्डौरी- कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम बहेरा माल में एक युवक का शव फांसी पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई । घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस का अमला मौके पर पहुंच पंचनामा बनाकर मर्ग कायम करते हुए शव को पीएम के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया । फरियादी बलदाउ वनवासी पिता स्व. गबडू वनवासी उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम छांटा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरा भतीजा कृष्ण कुमार वनवासी पिता स्व. जगदीश वनवासी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम छांटा मेरे घर में ही रहता है,। जिसके माता पिता निधन हो चुका हैं। उसकी पत्नी नंदनी साथ में रहती थी । रविवार को करीब 11.00 बजे भतीजा घर से बाहर जाने की बात कहकर निकला था जो शाम रात तक वापस घर नहीं आया। सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे गांव का कोटवार मनीष कुमार गजेश्वर मुझे फोन लगाकर बताया कि तुम्हारा भतीजा बहेरा माल के हार में तिनका सिंह ठाकुर के खेत के मेढ में लगे आम के पेड में फांसी लगाकर खतम हो गया है । तब मैं कोटवार के साथ जाकर देखा जो मेरा भतीजा कृष्ण कुमार आम के पेड की डगाल में सफेद रंग के गमछा से अपने गले में फांसी का फंदा लगाकर लटका हुआ था जिसकी मृत्यु हो चुकी थी।

अपनी दो बेटियों के साथ दिव्यांग आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचा कलेक्ट्रेट

डिण्डौरी - मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में डिण्डौरी विकास खंड के शर्मापुर गांव का दिव्यांग अपनी दो बेटियों को लेकर आर्थिक सहायता की मांग करने कलेक्ट्रेट पहुंचा । दिव्यांग गनपत सैयाम पिता विरसिंह सैयाम आंख और कान से दिव्यांग है उसने बतलाया कि उसकी पत्नि 2020 में उसे और दो बेटियों को छोडकर चली गई है। तब से दोनों बेटियों के पालन पोषण की जिम्मेदारी उस पर है लेकिन वह दिव्यांग होने के कारण मजदूरी भी नही कर पाता है। शासन की योजना के तहत उसे राषन तो उपलब्ध हो जाता है लेकिन अन्य जरूरत की सामग्री के लिए उसे दूसरे पर आश्रित रहना पडता है। बडी बेटी 12 साल की है और वह 7वीं कक्षा में पढाई करती है वही छोटी बेटी 9 साल की है और वह भी 5वीं की पढाई कर रही है। जमींन भी नही है और न ही आय का कोई दूसरा स्त्रोत है ऐसी दषा में दोनों बेटियों का पालन पोषण करने में परेषानी पेष आ रही है । मकान भी जर्जर हो चुका है प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत आवास का लाभ मिला है जिसका निर्माण जारी है लेकिन राषि खत्म होने के कारण लेंटर नही हो पा रहा है ।

पुलिस ने लालपुर सानी में हुये हत्याकांड का किया खुलासा नौ आरोपी गिरफ्तार

डिंडोरी

जिले के गाडासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लालपुर सानी मे दीपावली के दिन जमीनी विवाद के चलते पिता व दो बेटों की हत्या के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है । मगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मे एसपी वाहिनी सिंह ने बताया कि 31 अक्टुबर को शाम करीब 05.25 बजे डायल 100 बजाग को थाना गाडासरई अंतर्गत ग्राम लालपुर सानी मे दो पक्षो के बीच लडाई झगडा होने की सूचना मिले थी । डायल 100 में मौजूद पुलिस स्टॉफ तत्काल घटना स्थल ग्राम लालपुर सानी मौके पर शाम 06 बजे पहुंचा, जहां पर घटना की स्थिति को देखते हुये दो व्यक्ति लहूलुहान, खून से लथपथ मृत स्थिति में होने व अन्य दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पडे होने पर, तत्काल थाना प्रभारी गाडासरई को घटना से अवगत कराया । घायलो को तत्काल डायल 100 वाहन से ईलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया ! प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाडासरई में घायल रघुराज मरावी की मृत्यु हो गयी एवं अन्य घायल रामराज मरावी को उच्च स्तरीय ईलाज हेतु जिला अस्पताल डिण्डौरी रेफर किया गया था। थाना प्रभारी गाडासरई निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे के द्वारा मौके पर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को घटित घटना से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डिण्डौरी केके त्रिपाठी घटना स्थल लालपुर सानी मौके पर पहुंचे। घटना के बारे मे एफएसएल टीम बालाघाट को बताया गया जिसके बाद घटना कारित करने वाले आरोपियों की तलाष शुरू की गई और फरार आरोपियो की धरपकड़ हेतु अलग-अलग टीमो को अलग अलग दिशाओं मे रवाना किया गया! प्रार्थी रोशनी पति रघुराज मरावी निवासी लालपुर सानी की रिपोर्ट पर थाना गाडसरई में अपराध क्रमांक 323ध2024 धारा 103(1), 296, 190, 191(3), 351(2) बीएनएस के तहत 07 आरापियों के विरूध अपराध पंजीबध्द किया गया।एफएसएल टीम बालाघाट के मौके पर आने पर घटना स्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया! घटना स्थल पर मौजूद साक्ष्यो को संकलित किया गया हैं। मृतक धर्मराज मरावी, शिवराज मरावी एवं रघुराज मरावी के शव का पंचनामा कार्यवाही, गाडासरई अस्पताल से पीएम कराया जाकर मृतको के शवो को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की उपस्थिति में दफन किया गया। फरार आरोपियो की धरपकड़ के लिये रवाना टीमो द्वारा एक नवंबर को 04 आरोपी, पतिराम मरावी, कार्तिक मरावी, घनश्याम मरावी एवं कवल सिंह मरावी सभी निवासी ग्राम लालपुर सानी को सागरटोला से गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया! अन्य फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु जिला मुख्यालय स्तर से एसआईटी टीम भी गठित की गई थी। जिनके द्वारा आरोपियों के संभावित अलग- अलग पता ठिकानो पर दबिश देते हुये चार नवंबर को ग्राम धनौली से आरोपी जीवन मरावी, ग्राम घानामार से आरोपी शंकर मरावी व लोकसिंह मरावी और राजेन्द्रग्राम जिला अनुपपूर के जंगल से सोनसिंह मरावी एवं डिण्डौरी से जेहर सिंह मरावी सभी निवासी लालपुर सानी को गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियो से हत्या करने में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, डण्डा व तलवार को जप्त किया हैं। जिन्हे घटना स्थल से जप्त साक्ष्यो के साथ परीक्षण हेतु फॉरेंसिक लेबरोटरी भेजा जायेगा। प्रकरण का एक आरोपी सरवन मरावी घटना दिनांक समय से लगातार फरार हैं। पुलिस टीमे फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानो मे लगातार दबिश दे रही हैं। फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु ईनाम की उद्घोषणा की गई है।

विवाद का यह है कारण -

जानकारी अनुसार सन 1957 में मृतक धरम सिंह के पिता जी पटवारी सिंह को आरोपी पक्ष के पिता खेत सिंह द्वारा ग्राम लालपुर में स्थित जमीन खसरा नबंर 290ध1 करीब 23 एकड जमीन दी गई थी, जिसका प्रकरण नबंर संशोधन पंजी 6ध57 दिनांक 04-05-1957 है। इसके बाद खेत सिंह के पुत्रों ने केस लगाया तब नायब तहसीलदार करजिया के आदेश क्रमांक 47 आदेश 6 2012-2013 में धरम सिंह के परिवार जनों का नाम हटवा दिया गया! इसके बाद धरम सिंह ने एडीएम कार्यालय में केस लगाया जो 2014-2015 में एसडीएम द्वारा नायब तहसीलदार करंजिया के आदेश को यथावत रखा था। जिस पर मृतक पक्ष के द्वारा द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड न्यायालय डिण्डौरी में दिनांक 09.10.2017 को केस दर्ज कराया गया था जो विचाराधीन था! वर्तमान तक निर्णय नहीं होने से दोनों पक्षों में जमीनी कब्जे को लेकर बीच-बीच में वाद विवाद होता था! इसी वर्ष फसल बोने के वक्त लडाई झगडा विवाद होने पर आरोपी पक्ष की ओर से घनश्याम मरावी के द्वारा मृतक पक्ष के विरूध अपराध.क्रमांक 193 24 धारा 294, 323, 506, 34 का अपराध थाना गाडासरई में पंजीबद्ध कराया गया था जो पुलिस द्वारा विवेचना उपरांत दिनांक 10.09.2024 को सीजेएम न्यायालय डिण्डोरी में चालान पेश किया गया था, जिसका प्रकरण क्रंमाक 961 2024 न्यायालय में विचाराधीन हैं! इस दौरान पुलिस के द्वारा दोनों पक्षों में इस्तगासा क्रमांक 365, 366 2024 धारा 107,116 (3) जाफौ के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई थी।

आरोपियों की गिरफ्तारी में शामिल पुलिस अमला -

सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी गाडासरई निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे, उपनिक्षक संजय धुर्वे, उपनिरीक्षक ध्रुव कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक मनमोहन चैधरी, सहायक उप निरीक्षक बालमुकंद चैरसिया, सहायक उप निरीक्षक धनंजय साहू, सहायक उप निरीक्षक अनिल उसराठे, सहायक उप निरीक्षक केपी सिंह, सहायक उप निरीक्षक प्रवीण सिंह, प्रधान आरक्षक शिवकुमार पुषाम, प्रधान आरक्षक पंकज सिंह कुमाराम, प्रधान आरक्षक हरनाम सिंह, प्रधन आरक्षक रविन्द्र यादव, प्रधान आरक्षक शिवकुमार झलपे, आरक्षक आशीष लांजेवार, आरक्षक सतेन्द्र डहेरिया, आरक्षक धनंजय पारधी, आरक्षक विनोद राठौर, आरक्षक कल्याण कुशराम, आरक्षक राजा, आरक्षक मुकेश, आरक्षक शैलेन्द्र, महिला आरक्षक रंजीता, गोपनीय सैनिक बुधराम मौलिया, ग्रारसस सुभाष मरावी तथा सायबर सेल से प्रधान आरक्षक मुकेश प्रधान व जगदीश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में 35 हजार 892 बुजुर्ग 70 प्लस, सभी के बनेंगे आयुष्मान कार्ड,मोबाइल से करा सकेंगे पंजीयन

डिंडोरी । जिले में 8 लाख 54 हजार जनसंख्या में 70 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 35 हजार 892 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिए गए हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए गए है कि अगले एक माह के भीतर सभी योग्य बुजुर्गों के नाम आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में जोड़कर कार्ड जारी किए जाएं। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को हर साल पांच लाख रुपये तक की चिकित्सा सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से यह पहल की है। पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज उम्र के आधार पर किया जाएगा, ताकि प्रक्रिया सरल और तेज हो सके। जो बुजुर्ग पहले से ही आयुष्मान भारत योजना में पंजीकृत हैं, उन्हें अब पांच लाख रुपये की अतिरिक्त वार्षिक टॉप-अप कवरेज का लाभ मिलेगा। वहीं, जो वरिष्ठ नागरिक अन्य केंद्रीय स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के लाभार्थी हैं, उन्हें एक बार के विकल्प के रूप में अपनी मौजूदा योजना या आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई में से किसी एक को चुनने का अवसर दिया जाएगा।

योजना में पुरानी बीमारियां भी कवर होगी -

इस योजना के लिए कुछ पात्रता निर्धारित की गई है। यह पात्रता रखने वाले लोग कार्ड बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आयुष्मान योजना के लिए पात्रता जांचने के लिए 14555 पर कॉल कर सकते हैं। योजना में पुरानी बीमारियां भी कवर होती है। किसी बीमारी में अस्पताल में एडमिट होने से पहले और बाद के खर्च इसमें कवर होते हैं। ट्रांसपोर्ट पर होने वाला खर्च इसमें कवर होता है। सभी मेडिकल जांच, ऑपरेशन, इलाज जैसी चीजें इसमें शामिल हैं। जिन लोगे के कार्ड नहीं बने हैं, उनके लिए आयुष्मान भव योजना भी शुरु हुई है। इसके लिए शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है । योजना से वंचित रहे लोग आयुष्मान भव के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

इन बीमारियों में मिलेगा लाभ-

योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को गंभीर बीमारियों जैसे हृदय रोग, हड्डी रोग, कैंसर एवं अन्य बीमारियों का इलाज शासकीय या चिन्हित निजी अस्पतालों में निःशुल्क किया जाता है।

इस तरह से बनवा सकते हैं

आयुष्मान योजना के तीसरे फेज में कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। सेल्फ रजिस्ट्रेशन मोड में लाभार्थियों के पास वेरीफिकेशन के लिए ओटीपी, आइरिस और फिंगरप्रिंट और फेस आधारित वेरीफिकेशन ऑप्शन दिए गए थे। रजिस्ट्रेशन पर घर बैठे स्मार्टफोन के जरिए संभव हो सका। लोगों ने इसके लिए मोबाइल फोन पर आयुष्मान कार्ड ऐप का इस्तेमाल किया।

जिले में अब तक बने 50 लोगो का आयुष्मान -

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर रमेश मरावी के अनुसार जिले में इस योजना की शुरुआत 30 अक्टूबर से की गई थी जो की नवम्बर के पुरे माह तक चलेगा इसके तहत जिला स्वास्थ्य विभाग को 35 हजार 892 बुजुर्गो 70 प्लस की उम्र के आयुष्मान बनाने का लक्ष्य मिला हैं जिसमे सात दिवस बीतने के बाद अभी तक 50 लोगो का आयुष्मान कार्ड बनाया गया हैं डाक्टर रमेश मरावी के अनसार अभी शुरूआती चरण हैं इसलिए आयुष्मान कार्ड बनाने की गति नहीं आई है।

ग्राम पटेल के परिजनों पर ग्रामींणों ने लगाया मारपीट के आरोप

देवी देवताओं की पूजा करने में बाधा डालने की दर्ज करायी शिकायत

डिण्डौरी। शहपुरा थाना अंतर्गत ग्राम निवसी के ग्रामींणों ने ग्राम पटेल के परिजनों पर ग्रामींणों के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए मंगलवार को जनसुनवाई में षिकायत दर्ज कर इनके विरूद्ध कार्यवाई की मांग की है। कलेक्टर को दिये आवेदन में ग्रामींणों ने उल्लेख किया है कि दीपावली पर्व के दूसरे दिन पूर्वजों से चली आ रही परम्परा के अनुसार ग्राम में सभी मवेषियों को एक स्थान में एकत्रित कर पूजन करने की प्रथा है जिसका पालन करते हुए 1 नवम्बर को दोपहर 2 बजे सभी मवेषी मालिकों ने अपनी अपनी मवेषी को लाकर खेरखा में एकत्रित किया था जिसके बाद विधि विधान से देवी देवताओं के पूजन की तैयारी थी तभी ग्राम के ग्राम पटेल के रिष्तेदार कैलाष पिता भारत , सुखसेन पिता प्रेमसिंह , कली बाई पति सुखसेन, सदन पिता सुखसेन, रामसखी पति फूलसिंह, जानकी पति श्यामसिंह, जो कि वर्तमान सरपंच है जिनके द्वारा नरबद सिंह पिता पीतम , सेवासिंह पिता रमेष, हनुमत पिता कल्याण , के साथ मारपीट किया गया है। जिससे नरबद को गंभीर चोटे आयी है , गंभीर रूप से घायल नरबद घरेलू कामकाज भी नही कर पा रहा है । घटना के बाद पीडितों ने पुलिस थाना शहपुरा में षिकायत दर्ज कराये है लेकिन कार्यवाई नही होने से आरोपियों के हौसले बुलंद है । षिकायतकर्ताओं ने आषंका जाहिर की है कि कार्यवाई के अभाव में कभी भी अप्रिय घटना को आरोपियों द्वारा अंजाम दिया जा सकता है। षिकायत में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पटेल भारत सिंह के द्वारा 15 वर्ष पूर्व से ग्राम में अपनी मनमानी की जा रही है ग्राम पंटेल के द्वारा पूर्व में भी अनेको घटनाओं को अंजाम दिया गया है। जिसकी पुलिस थाना शहपुरा में लगभग 8-10 षिकायतें भी दर्ज करायी गई है। ग्रामींणों ने यह भी मांग किया है कि ग्राम पटेल का पुत्र कैलाष जो कि मॉडल स्कूल शहपुरा में भृत्य के पद पर पदस्थ है जिसे पद से हटाया जाये तथा पूरे घटना क्रम की उचित जांच करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्यवाई की जाये । षिकायतकर्ता में धनीराम भवेदी, धनसिंह, दीपक, महासिह, भोलेसिंह, मुकेषसिंह,दलसिंह, ओमकार, अमृतसिह, पंचूलाल, विषाल, चैनसिंह, कल्याण, सहित बडी तादात में महिला और पुरूष ने हस्ताक्षर किये है।

संयुक्त कलेक्टर के औचक निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत से नदारत रहे कर्मचारी

डिंडोरी - नगर परिषद में लापरवाह कर्मचारियों की अब खैर नही है। नगर परिषद में कई कर्मचारी ऐसे हैं जो दफ्तर निर्धारित समय पर नही पहुंचते और अगर दफ्तर पहुंच भी गए तो निर्धारित समय से पहले सीट छोड़कर गायब हो जाते हैं। लापरवाह कर्मचारियों का यह सिलसिला लम्बे समय से चल रहा था।जिससे नगर परिषद में अपने कामों को लेकर आने बाले लोगों को बेहद परेशानी उठानी पड़ रही थी ।आज सोशल मीडिया के माध्यम से कलेक्टर को नगर परिषद के कर्मचारियों की लापरवाही का पता चला तो उन्होंने संयुक्त कलेक्टर को जांच करने नगर परिषद भेज दिया। संयुक्त कलेक्टर के नगर परिषद में आकस्मिक रूप से पहुंचने पर हड़कम्प मच गया। दोपहर बारह बजे जांच करने पहुंची संयुक्त कलेक्टर भारती मरावी को इंजीनियर समेत आठ कर्मचारी अपनी सीट से गायब मिले। संयुक्त कलेक्टर ने मौके पर पंचनामा बनाकर कलेक्टर को सौंप दिया है अब देखना यह होगा कि नगर परिषद के लापरवाह कर्मचारियों पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

डाकिया को हटाने लामबंद हुए ग्रामीण लापरवाही बरतने के लगाये आरोप

डिण्डौरी। डाक शाखा समनापुर अंतर्गत ग्राम मोहगांव ,सिधौली में संचालित डाक घर में पदस्थ डाकिया पर ग्रामींणों ने लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है ,ग्रामीणों ने कलेक्टर से षिकायत करते हुए डाक घर से हटाये जाने की मांग की है। ग्रामींणों ने लिखित षिकायत में उल्लेख किया है कि दषरथ लाल यादव विगत कई वर्षो से डाकिया एवं डाक मास्टर दोनों पदों पर काबिज है । लेकिन इनके द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जाती है समय पर लोगों को डाक उपलब्ध नही करायी जाती जिससे लोगों को सही समय पर महत्वपूर्ण जानकारी या अपने परिजनों ,रिष्तेदारों द्वारा भेजी गई जानकारी उपलब्ध नही हो पाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि शासकीय कार्य को छोडकर अपने घरेलू कामकाज में व्यस्त रहते है जिससे डाक विभाग का कार्य संचालन प्रभावित होता है और ग्रामींण महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित रहते है। विगत 5 साल का इनका रिकार्ड खंगाला जाये तो सच्चाई सामने आ जायेगी कि कितने लोगों का पत्र डाक सेवा के माध्यम से आया है और कितने लोगो को इनके द्वारा डाक प्रदान की गई है। ग्रामींणों ने बतलाया कि अनेको युवक युवतियों ने विभिन्न शासकीय नौकरियों के लिए आवेदन किया था और अपना पता गृह ग्राम का आवेदन में दर्ज किया था लेकिन उन्हे आज तक शासकीय नौकरी से संबंधित जानकारी प्राप्त नही हुई आषंका है कि संबंधित विभाग द्वारा उन्हे पत्राचार किया गया होगा लेकिन डाकिया की लापरवाही के चलते उन्हे पत्र प्राप्त नही हुआ । ग्रामींणों ने मांग की है कि ऐसे लापरवाह डाकिया को डाक घर से हटाया जाये । षिकायतकर्ता में अर्जुनंसिह, नंदराम, दषरथ ंसिह, योगेन्द्रसिंह, लक्ष्मणसिंह, रूप सिंह मार्को , काषीराम, जितेन्द्रसिंह, ललित , कमल परस्ते, सहित अनेकों ग्रामीण शामिल रहे ।

एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा मध्यान्ह भोजन का संचालन का आरोप

बच्चों को मेन्यू के आधार पर नहीं दिया जाता भोजन, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्यवाई

डिण्डौरी

अमरपुर विकास खंड अंतर्गत प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला मोहगांव में एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा स्व सहायता समूह का गठन कर विगत 10 वर्षो से मध्यान्ह भोजन का संचालन किया जा रहा है। जिसमे लापरहवाही बरतने का आरोप लगाते हुए ग्रामींणों सहित मां सरस्वती महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर से षिकायत कर समूह को हटाने की मांग की है। ग्रामींणों और मां सरस्वती महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों ने लिखित षिकायत में आरोप लगाया है कि राधिका स्व सहायता समूह में एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा समूह का गठन किया गया है और विगत 10 वर्षो से प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में मध्यान्ह भोजन का संचालन मनमानी तरीके से किया जा रहा है। षिकायत में हवाला दिया गया है कि विद्यार्थियों को मेन्यु के आधार पर भोजन नही दिया जाता , विद्यार्थियों से ही थाली धुलवायी जाती है प्रावधान कि मुताबिक प्रत्येक दिवस किसी एक पालक को भोजन कराये जाना चाहिए लेकिन आज दिवस तक किसी पालक को भोजन नही कराया गया । शाला में षिक्षकों द्वारा भोजन की गुणवत्ता को लेकर कहा जाता है जिस पर भी समूह के द्वारा अमल नही किया जाता । बल्कि उल्टा षिक्षकों को ही समूह की सदस्यों द्वारा नसीहत दी जाती है। इस बावद समूह की मनमानी को लेकर लगातार षिकायत भी दर्ज करायी गई है लेकिन कार्यवाई नही हुई इसके अलावा राधिका स्व सहायता समूह को हटाने के लिए ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया जा चुका है और सरस्वती स्व सहायता समूह को मध्यान्ह भोजन संचालन की जिम्मेदारी सौपने का प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है। बावजूद इसके राधिका स्व सहायता समूह द्वारा पालन नही किया जा रहा है । ग्रामींणों और सरस्वती महिला स्व सहायता समूह के द्वारा मांग की गई है कि उक्त समूह को हटाया जाये ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, बुधवार 6 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जनसुनवाई में आये 84 आवेदन

नरसिंहपुर। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 5 नवम्बर को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। हर सप्ताह होने वाली आगामी जनसुनवाई में रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जन सुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सहायक कलेक्टर शुभम-कुमार यादव, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्यायें सुनी, आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 84 आवेदन आये।

श्रुति का आगाज इंटर्नशिप में चयन

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की स्वयंसेविका श्रुति गुप्ता का आगाज इंटर्नशिप में चयन हुआ। छात्रा के चयन पर प्राचार्य एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये उज्जवल भविष्य की कामना की।

आज सांसद कार्यकताओं से करेंगे मुलाकात

नरसिंहपुर। नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चैधरी व भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा 6 नवंबर को सुबह 10 बजे से भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

भाविप की भारत को जानो प्रतियोगिता संपन्न

नरसिंहपुर। गत दिवस भारत विकास परिषद भारत जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता जिले के 14 विद्यालयों मे आयोजित की गई। जिसमे 3000 छात्र छात्राओं के बीच सामान्य ज्ञान की यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति ज्ञान, विज्ञान, इतिहास, भूगोल इत्यादि पर आधारित प्रश्नोत्तरी के रूप में की गई। प्रथम चरण में यह प्रतियोगिता लिखित परीक्षा के रूप में संपन्न होती है बाद में इस प्रतियोगिता को मौखिक प्रश्नोत्तरी के रूप में आयोजित किया गया। सामान्य ज्ञान की चार स्तरों पर आयोजित की जाने वाली यह प्रतियोगिता पूर्णतः निशुल्क है। यह प्रतियोगिता बच्चों में और राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्र गौरव के संस्कारों का बीजारोपण करती है।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह ने वितरित की विधार्थियों को साईकिल

नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय विद्यालय धमना में अध्ययनरत विधार्थियों को साईकिलों का वितरण पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह लाल साहब गुमास्ता, डॉ द्वारका प्रसाद, प्राचार्य डी पी मेहरा मौजूद रहे। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा तक पहुंच को सुगम बनाना अत्यंत आवश्यक है। कई छात्र केवल दूरी और परिवहन की असुविधा के कारण स्कूल तक नहीं पहुंच पाते हैं।

जिले में बढ़ रहा स्मैक का कारोबार चिंता विषय, पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल

स्मैक के अवैध व्यापार को लेकर सौंपा गया सामूहिक ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले मे पनप रहे स्मैक के अवैध व्यापार को लेकर आम जनों द्वारा विशाल रैली निकालकर ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन मे बताया गया है कि यदि पुलिस प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नही की गई तो जिलेवासियों द्वारा विशाल आंदोलन व उग्र प्रर्दशन भी किया जावेगा। स्मैक के व्यापार को लेकर लोगों मे रोष व्याप्त है जिसे लेकर हर गली चैराहे पर तीखी निंदा की जा रही है। वही लोगों द्वारा पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाये जा रहे है लोगों का कहना है कि पुलिस ठोस कार्रवाई कर इस अवैध व्यापार को करने वाले के नाम का खुलासा भी करें।

निकाली गई विशाल रैली

संपूर्ण जिले में स्मैक की बिक्री रोकने व विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर प्रभावी कार्यवाही करने की मांग को लेकर मंगलवार की सभी वर्ग के लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली। रैली के दौरान स्मैक का कारोबार बंद करो बंद करो के नारे लगते रहे। सुभाष पार्क से प्रारंभ हुई रैली नरसिंह भवन पहुंची। नरसिंह भवन में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि लंबे समय से नरसिंहपुर जिले में जानलेवा नशा की बिक्री की जा रही है, पुलिस छोटे-छोटे आरोपियों को पकड़कर या फिर स्मैक पीने वालों पर औपचारिक कार्यवाही कर रही है जिले में इस स्मैक के कारोबार से कौन लोग जुड़े है कि पुलिस के हाथ उन तक नहीं पहुंच पा रहे है, इसी कारण से पूरे जिले में नौजवान, स्कूल कॉलेज के बच्चे तेजी से स्मैक नशे की चपेट में आ रहे है।

नशे के सौदागरों पर हो प्रभावी कार्रवाई

इस अवसर पर अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्मैक जैसा नशा अंततः जानलेवा साबित होता है, जिससे व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो जाता है और परिवार तबाह हो जाता है, वहीं समाज पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। जिले भर के थानों व चैकियों में लंबे समय से एक ही जगह जमे और बार-बार एक ही जगह दोबारा पदस्थ होने वाले पुलिसकर्मियों की भी जांच की जाए, ताकि उनकी एक ही जगह लौटकर आने की वजह सामने आ सके। इससे भी स्मैक कारोबारियों को बढ़ावा मिल रहा है। जिले भर में नशे के सौदागरों पर प्रभावी कार्यवाही कर जिले के भविष्य को नष्ट होने से बचाते हुए लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ पुलिस कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जावे। ज्ञापन के दोनों बिंदुओं पर एक सप्ताह के भीतर पुलिस स्मैक के कारोबारियों पर ठोस कार्यवाही करने की मांग की गई। यदि 7 दिवस में स्मैक का जिले से समूल नाश नहीं होता, तो जिलेवासी क्रमशः धरना प्रदर्शन व आंदोलन के लिए बाध्य होगें। ज्ञापन लेते समय पुलिस अधीक्षक ने ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अवैध व्यापार से खतरे का अंदेशा

जिले मे फैल से स्मैक के अवैध व्यापार लोगों को खतरे का अंदेशा बना हुआ है बीते कई दिनों से जिले मे स्मैक के व्यापार की चर्चा जोरो पर बनी हुई है वही पुलिस द्वारा भी कार्रवाई करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिससे यह प्रतीत होने लगा कि जिले स्मैक का विक्रय हो रहा है। स्मैक के नशे मे कई घर वर्बाद हो चुके है इसलिये लोगों अपने घर परिवार को बचाने के लिये चिंता नजर आने लगी है जिसे लेकर ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। यदि उक्त व्यापार मे लगाम नही लगी तो जिले के कई परिवार नशे की जद के कारण तबाह हो सकते है। लोगों की मांग है कि जिले मे पनप रहे इस व्यापार को पूर्ण रूप से बंद किया जावे। उक्त ज्ञापन मे बड़ी संख्या मे जागरूक नागरिक व महिला शक्ति मौजूद रही।

भाजपा संगठन पर्व कार्यशाला सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भाजपा जिला कार्यालय में आगामी संगठन चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए संगठन पर्व कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल सांसद एवं जिला चुनाव अधिकारी आलोक शर्मा मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा की अध्यक्षता एवं जिला सक्रिय सदस्यता अभियान प्रभारी जोधा सिंह अटवाल सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, दर्शन सिंह चैधरी, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति काकोड़िया, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक साधना स्थापक, भैयाराम पटेल, नरेश पाठक, राव वीरेन्द्र सिंह, की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव अधिकारी आलोक शर्मा ने भाजपा ही एक मात्र ऐसा दल है जो कार्यकर्ताओं की जननी व निर्माण करता है। उन्होने आगामी चुनाव अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिन बूथों पर प्राथमिक सदस्यता 50 से कम है उन पर 15 तारीख तक विशेष सदस्यता अभियान चलाना है। कार्यशाला की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री डॉ. हरगोविन्द पटैल व आभार पूर्व विधायक साधना स्थापक ने किया।

श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य जीवन बनता है मंगलमय

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिला मुख्यालय में गल्ला मंडी के समीप आयोजित की जा रही श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में द्वितीय दिवस पर कथा व्यास पंडित अजय शास्त्री ने बताया कि मनुष्य को आयु बल बुद्धि अवस्था व्यवस्था पद और प्रतिष्ठा पाने पर अहंकार में नहीं होना चाहिए अहंकार हमारे जीवन को समूह नष्ट कर देता है अहंकार पाटन का सबसे मूल कारण होता है वस्तुत वास्तव में बड़े जो होते हैं वह भी नहीं होते हैं और जो धोखे से बड़े होते हैं बड़प्पन आने में उनको दो-चार पीढ़ियो का समय लगे भगवान श्री कृष्णा जब द्वारका पहुंचे तो अपने माता-पिता को प्रणाम किया आशीर्वाद लिया मनुष्य को सदैव अपने से बड़ों को प्रणाम और सम्मान करना चाहिए प्रणाम करने से चार चीज अनायास ही बढ़ जाती हैं इस बल और बुद्धि समस्त प्राणियों की मनोवृत्ति सुख चाहती है किंतु सुख धाम के बिना प्राप्त नहीं हो सकता इसलिए मनुष्य को धर्म प्राण होना आवश्यक है अतः धर्म का आश्रय लेकर ही मनुष्य संसार सागर से पर हो सकता है दूसरा कोई साधन नहीं है श्रीमद् भागवत कथा मानवता का संविधान है का संविधान है पंचम वेद हैं। निष्काम धर्म का आचरण करें सत्पुरुषों का संग्रह करें विषय वासना को हृदय से हटा दें एवं दूसरों की स्तुति निंदा में ना पढ़कर भागवत कथा रूपी अमृत का सादा पान करें कथा व्यास द्वारा सुखदेव जी के जन्म की कथा नारद जी के पूर्व जन्म का वृतांत भीष्म पितामह की कथा और परीक्षित जी को श्राप एवं सुखदेव जी की आगमन तक कथा को सुनाया। धर्म से मनुष्य राज्य प्राप्त करता है और धर्म से ही स्वर्ग प्राप्त करता है आयु कीर्ति और पुण्य कार्य धर्म से ही प्राप्त होते हैं मोक्ष भी धर्म से ही मिलता है।

चोरी के मामले में सेवानिवृत्त टी आई ने पुलिस पर उठाये सवाल

नरसिंहपुर। बीते तीन माह पूर्व सेवानिवृत्त थाना प्रभारी के शुभनगर स्थित घर में चोरो ने धावा बोल कर नगदी सहित सोना चांदी चुरा ले गये थे। जिसकी शिकायत थाना स्टेशनगंज में दर्ज कराई गई थी उक्त मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। हालांकि पुलिस ने प्रकरण में एक आरोपी को जरूर गिरफ्तार कर जेल भेजा था, लेकिन उसे हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रकरण में जो तीन अन्य आरोपी हैं, उनकी तलाश दो राज्यों की पुलिस कर रही है। स्टेशनगंज थाना पुलिस के अनुसार शुभनगर स्थित सेवानिवृत्त टीआई शंकरलाल झारिया के घर पर 6 अगस्त को हुई चोरी के प्रकरण में एक आरोपी बांकी गांव, थाना अंडेर, जिला बुलढाना महाराष्ट्र निवासी अविनाश पवार को गिरफ्तार किया गया था। इसके पास से एक कार एमएच 2 बीके 0834 भी जब्त की गई थी। पूछताछ में आरोपी ने अपने तीन साथियों आकाश पवार, विजय उर्फ बिज्जू उर्फ विजय भोसले, लहु धंदर के साथ उक्त कार से आए थे। इसके बाद आरोपी अविनाश को जेल भेज दिया गया। हालांकि उसे हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों की तलाश के लिए पहले भी टीम गई थी, लेकिन वे पकड़ में नहीं आ सके। अब अवकाश खत्म होने के बाद फिर से टीम को महाराष्ट्र भेजा जा रहा है। स्टेशनगंज टीआई हिमलेंद्र पटेल के अनुसार उक्त तीनों आरोपी शातिर चोर हैं, उनकी तलाश महाराष्ट्र पुलिस को भी है। स्थानीय थाने में उनके विरुद्ध अपराध दर्ज हैं।

अन्तर कक्षा स्तर युवा उत्सव प्रतियोगिताएं सम्पन्न

नरसिंहपुर। उच्च शिक्षा म.प्र. शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सतीश दुबे एवं आई.क्यू.ए.सी. के मार्गदर्शन में अन्तर कक्षा महाविद्यालयीन स्तर युवा उत्सव का आयोजन किया गया। युवा उत्सव के तहत वाद-विवाद, भाषण एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उक्त आयोजन में डॉ. अमित ताम्रकार, संदीप नागोत्रा, डॉ. भावना मेहता, श्रीमती दीप्ती नेमा के द्वारा किया गया। निर्णायक दल की भूमिका में डॉ. कीर्तिमाला सदाफल, डॉ. जी.एस. मर्सकोले संस्कृत एवं डॉ गनेश कुमार सोनी रहे।

ककरा घाट पर समुचित सुविधाओं की जरूरत

कार्तिक पूर्णिमा पर होगी विशेष भीड़

तेंदूखेड़ा आने वाले 15 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर क्षेत्र के सभी पुण्य सलिला मां नर्मदा के तटों पर श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहेगी। वहीं कार्तिक मास के दौरान स्नान कर रहीं महिलाओं के द्वारा भी यहां पहुंच कर पूजन अर्चन कर समापन किया जायेगा। पुण्य सलिला मां नर्मदा का पावन नर्मदा तट ककरा घाट पर गाडरवारा तेंदूखेड़ा क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए जन आस्था का केंद्र बन गया है। यहां पर नरसिंहपुर जिले के साथ साथ रायसेन और सागर जिले के श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रत्येक अमावस्या पूर्णिमा को पहुंचा करते हैं। लेकिन उक्त घाट पर उत्तर तट पर समुचित सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। जिससे श्रद्धालु परेशान देखे जाते हैं।

बरसात की बाढ़ के चलते हो गया है पहुंच मार्ग का कटाव- यहां पर सबसे बड़ी समस्या मुख्य सड़क मार्ग से घाट तक पहुंचने के लिए सड़क का कटाव हो जाने के कारण आवागमन में असुविधा हुआ करती है।बीच सड़क में खाई नुमा गड्ढे बनें हुए हैं। तथा दोनों तरफ से भी कटाव हो गया है। जिससे पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी हुआ करती है। मुख्य सड़क से घाट तक सड़क की समुचित व्यवस्था की जरूरत है। चूंकि यह व्यवस्था दोनों तरफ से बनीं हुई है पुल के बाजू से भी बड़ी संख्या में कटाव हो जाने से आवागमन में परेशानी होने लगी है।

घाट पर नहीं हैं प्रकाश की व्यवस्था- इस घाट पर अक्सर कर श्रद्धालु पहुंचते रहते हैं। लेकिन यहां पर रात्रि के समय प्रकाश की व्यवस्था ना होने के कारण अंधेरे में ही आना जाना करना पड़ता है विशेष रूप से पुल से ही दोनों तरफ बड़े बड़े हाईमास्क लगने से घाट पर पर्याप्त प्रकाश हो सकता है। चूंकि महिला वर्ग जो सोने चांदी के जेबर पहनकर आती है उनके लिए तथा उठाई गीरों से सावधानी की दिशा में यह व्यवस्था नितांत जरूरी है।साथ ही साथ अस्थाई सुलभ शौचालय की भी जरूरत है घाट पर स्वच्छता और गंदगी के मान से यहां पर्व विशेष पर अस्थाई तौर पर चलित शौचालयों की व्यवस्था की जाये।

मुख्य सड़क पर लगता है जाम- कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु जन एक दिन पूर्व से ही पैदल यात्रा करके पुण्य सलिला के तटों पर पहुंचा करतें हैं। गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर अक्सर कर भारी बाहनों का आवागमन जारी रहता है।पर्व विशेष पर इनकी आवा-जाही प्रतिबंध लगे। दोनों तरफ से बड़ी संख्या में वाहनों के आवागमन के चलते घंटों जाम की स्थिति बनतीं है यहां पर उचित पार्किंग व्यवस्था भी नहीं लोग अपने दो पहिया और चार पहिया वाहन घाट तक लेकर पहुंचते हैं।

चोरी की मोटर साइकिल से पहले घर पहुंच गया चोर

नहीं हो सकी कोई कार्रवाई

तेंदूखेड़ा विगत दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र के ग्राम भौंरा निवासी नीरज मुकद्दम की बाइक क्रमांक एमपी 49 एम जी 6684 एक नवम्बर को शाम लगभग साढ़े छ बजे गांव का ही चंद्रशेखर नाम का व्यक्ति बगैर बताये उठाकर ले गया था।जो रविवार को जबलपुर के बेलबाग थाने के अंतर्गत गुरंदी में बेंच रहा था कि जांच के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उससे ड्राइविंग लाइसेंस मांगते हुए जानकारी चाही लेकिन वह भागने लगा पुलिस को संदेह होते ही उससे पूछताछ की गई। तथा तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में संपर्क स्थापित किया उस आधार पर पता चला कि यह बाइक तेंदूखेड़ा क्षेत्र से चोरी हुई है। चूंकि आरोपी वहां से किसी भी सुरक्षित अपने गांव पहुंच गया और गांव में जाकर फिर से धमकी दे रहा है। गांव वालों ने मंगलवार को तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में पहुंच कर फिर से आवेदन दिया है। लोगों में असुरक्षा की भावना उपजने लगी है आरोपी फरियादी को भी घर पर जाकर खुलेआम धमकी दे रहा है। पीड़ित नीरज मुकद्दम ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि अभी तक हमारी मोटरसाइकिल तो नहीं मिली है लेकिन आरोपी चोर घर आकर और गांव में खुले आम घूम कर धमकी दे रहा है।

अस्पताल में बच्ची के द्वारा उल्टी करने पर कर्मचारी ने सफाई का बनाया दबाव

गोटेगांव

स्थानीय नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव में स्वास्थ्य कर्मचारी के द्वारा अभद्रता पूर्ण व्यवहार करने का मामला सामने आया है पूरा मामला गोटेगांव सामुदायिक अस्पताल में देखने मिला विगत 3 नवंबर की रात्रि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नगर के हरदौल वार्ड निवासी परिजन अपनी एक लगभग 7 वर्षीय छोटी बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए लेकर आए थे। छोटी बच्ची को उल्टियां हो रही थी जिसका इलाज करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर रात्रि कालीन पर्ची काटने वाले कर्मचारी के द्वारा परिजनों से अभद्रता की गई,बीमार बच्ची ने अस्पताल परिसर के डॉक्टर रूम के बाहर उल्टी कर दी थी जहां ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने परिजनों से चिल्ला कर तेज आवाज में उल्टी साफ करने के लिए कहा जिस पर पीड़ित बच्ची के परिजनों ने विवाद ना करने के उद्देश्य से कर्मचारी से कहा कि आप पानी की व्यवस्था कर दीजिए हम उल्टी के ऊपर पानी डाल देंगे,लेकिन कर्मचारी ने जिद पकड़ ली और परिजनों से कहा आप यहां पर आकर उल्टी करोगे तो क्या हम साफ करेंगे, कर्मचारी ने कहा पानी डालकर वाइपर से अच्छी तरीके से उल्टी साफ करनी पड़ेगी और कर्मचारी परिजनों पर लगातार तू तड़का करके चिल्लाता रहा।वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में शासन द्वारा सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है उसके उपरांत कर्मचारी के द्वारा मरीज के परिजनों को साफ सफाई के लिए बाध्य करना तानाशाही पूर्ण , ऐसे कर्मचारी जानबूझकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की छवि में बट्टा लगा रहे हैं, जिसका वीडियो भी सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है आगामी समय में किसी अन्य मरीज एवं परिजनों के साथ गलत दुर्व्यवहार कर्मचारियों द्वारा ना किया जाए, उच्च अधिकारियों को ऐसे कर्मचारी पर कार्यवाही कर नजीर पेश करनी चाहिए।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित चडाल डुंगरिया के ग्रामवासी

गोटेगांव- गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र का चंडाल डुंगरिया गांव यहां के रहवासियों को गोटेगांव आने के लिए ऊबड़ खाबड़ रास्ते का सहारा लेना पड़ता है। चंडाल डुंगरिया गांव जाने के लिए लोगों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह गांव पहाड़ी हिस्से में स्थित है जिसके कारण यहां पर लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। यहां पर पेयजल जल संकट के निराकरण के लिए कुछ प्रयास अवश्य किए गए। मगर उसमें स्थायी सफलता नहीं मिल सकी है,जिसके कारण गर्मी के मौसम में यहां के रहवासी जल संकट से भी जूझते रहते हैं।वर्तमान समय में इस गांव जाने के लिए धवई गांव एवं रोहिया पटी गांव से जाने का जो रास्ता है वह बहुत की खतरनाक है। इसको निर्मित करने की दिशा में शासन द्वारा कारगर कदम नहीं उठाया गया हैं ।

अभय कुलवर्धिनी बालिका संस्कार समारोह का आयोजन

गोटेगांव।

नगर के पंचायती जैन मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से संभव सागर महाराज जी के सानिध्य में आयु 8 वर्ष से अविवाहित बालिकाओं का पंचायती जैन मंदिर में बालिका संस्कार समारोह आयोजन किया गया यहां पूर्ण विधि विधान से कार्यक्रम संपन्न हुआ जहां समाज की बालिकाओं ने इस भव्य आयोजन में सम्मिलित हुई इस समारोह में पूर्व भूमिका रक्षासूत्र मंत्र एवं बालिकाओं को सामग्री वितरण की गई आचार्य भक्ति एवं संगीत में मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया अभिषेक शांति धारा एवं विशेष शांति धारा बालिकाओं द्वारा संगीत में आचार्य श्री जी की भव्य पूजन विधि विधान से संस्कार विधि की गई एवं मुनि श्री जी के प्रवचन एवं जिनालय वंदना शोभा यात्रा निकाली गई इस अवसर पर कार्यक्रम में श्री पारसनाथ पंचायती जैन मंदिर के सभी ट्रस्टी एवं समाज के वरिष्ठ नागरिक भक्तगण उपस्थित रहे।